an>

Title : Need to take steps for utilization of underground water through 'deep boring' in Eastern Uttar Pradesh-Laid.

*m01

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय (श्रावस्ती): उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल की शिवालिक पहाड़ियों के तराई अंचल की जमीन पथरीली है। सिंचाई के पर्याप्त संसाधनों के अभाव में यहां का किसान प्रकृति के भरोसे रहने को मजबूर है। यह सूखाग्रस्त असिंचित क्षेत्र है क्योंकि यहां सामान्य रूप से टयूबवैल लगाकर भूमिगत जल का दोहन नहीं हो पाता है। इसके फलस्वरूप इस क्षेत्र का विकास नहीं हो पा रहा है।

आवश्यकता इस बात की है कि इस क्षेत्र के बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच व सिद्धार्थनगर में किसानों की दशा सुधारने व पानी की समुचित व्यवस्था हो। इसके लिए रिंग बोरिंग व डीप बोरिंग कर भूमितल जल का उपयोग जरूरी हे ताकि कृषि व आम जनजीवन को खुशहाल व समृद्धशाली बनाया जा सके।

अतः मैं सरकार से अनुरोध करूंगा कि वह इस क्षेत्र में रिंग बोरिंग व डीप बोरिंग किए जाने के लिए आवश्यक संसाधन जुटाए।